http://www.ukboardonline.com

रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

001

201 (HUA)

2019
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×5=10

आत्मा अजर और अमर है। उसमें अनन्त ज्ञान, शक्ति और आनन्द का भंडार है। अकेले ज्ञान कहना भी पर्याप्त हो सकता है, क्योंकि जहाँ ज्ञान होता है वहाँ शक्ति होती है, और जहाँ ज्ञान और शक्ति होते हैं वहाँ आनन्द भी होता है। परन्तु अविद्यावशात् वह अपने स्वरूप को भूला हुआ है। इसी से अपने को अल्पज्ञ पाता है। अल्पज्ञता के साथ-साथ अल्पशक्तिमत्ता आती है और इसका परिणाम दुःख होता है। भीतर से ऐसा प्रतीत होता है जैसे कुछ खोया हुआ है; परन्तु यह नहीं समझ में आता कि क्या खो गया है। उस खोयी हुई वस्तु की अपने स्वरूप की, निरन्तर खोज रहती है। आत्मा अनजान में भटका करता है, कभी इस विषय की ओर दौड़ता है, कभी उस विषय की ओर, परन्तु किसी की प्राप्ति से तृप्ति नहीं होती; क्योंकि अपना स्वरूप इन विषयों में नहीं है। जब तक आत्मसाक्षात्कार न होगा, तब तक अपूर्णता की अनुभूति बनी रहेगी और आनन्द की खोज जारी रहेगी। इस खोज में सफलता, आनन्द की प्राप्ति, अपने परम ज्ञानमय स्वरूप में स्थिति यही मनुष्य का पुरूषार्थ, उसके जीवन का चरम लक्ष्य है और उसको इस पुरूषार्थ-साधन के योग्य बनाना ही शिक्षा का उद्देश्य है। वह राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था सबसे अच्छी है जिससे पुरूषार्थ-सिद्धि में सहायता मिल सके, कम से कम बाधाएँ तो न्यूनतम हों।

आत्म साक्षात्कार का मुख्य साधन योगाभ्यास है। योगाभ्यास सिखाने का प्रबन्ध राज्य नहीं कर सकता, न पाठशाला का अध्यापक ही इसका दायित्व ले सकता है। जो इस विद्या का खोजी होगा, वह अपने लिए गुरू ढूँढ़ लेगा। परन्तु इतना किया जा सकता है- और यही समाज और अध्यापक का कर्तव्य है कि व्यक्ति के अधिकारी बनने में सहायता दी जाय, अनुकूल वातावरण उत्पन्न किया जाय।

(क) अल्पज्ञता का परिणाम दुःख क्यों होता है?

(ख) आनन्द की खोज कब तक जारी रहती है?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(ग) शिक्षा का उद्देश्य क्या है?

(घ) समाज तथा अध्यापक का मूल कर्त्तव्य क्या है?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए। 10

(क) योगासन और स्वास्थ्य

(i) अर्थ

(ii) योगासन और खेल

(iii) योगासन से स्वास्थ्य लाभ - शारीरिक और मानसिक

(iv) योगासन से अनुशासन और व्यक्तित्व का विकास

(ख) भारतीय संस्कृति

(i) प्राचीनतम संस्कृति (ii) अनेकता में एकता

(iii) विश्वबन्धुत्व की भावना (iv) शान्ति का सन्देश

3. आपके गाँव/शहर में पेयजल का गंभीर संकट है। अपने पेयजल मंत्री को समस्या के समाधान के सन्दर्भ में एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 5

अथवा

निकटवर्ती किसी पर्यटन स्थल के एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु अपनी कक्षा के छात्रों की ओर से अपने प्रधानाचार्य को एक प्रार्थनापत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नांकित वाक्यों में क्रियापद छांटिए और उनके भेद बताइए- 1×2=2

(क) जंगल में मोर नाचता है।

(ख) लता गाना गाती है।

यथा निर्देश उत्तर दीजिए- 1×2=2

(ग) मैंने उसे समझाया किन्तु वह नहीं माना। (समुच्चयादि बोधक शब्द बताइए)

(घ) विद्यालय कल ही खुलेगा। (इस वाक्य में निपात छाँटिए)

5. निम्नांकित का यथानिर्देश उत्तर दीजिए - 1×4=4

(क) 'अध्यापक ने बताया कि कल स्कूल की छुट्टी रहेगी'। यह निम्न में से किस प्रकार का वाक्य है-

(i) सरल वाक्य (ii) मिश्र वाक्य (iii) संयुक्त वाक्य

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(ख) निम्न में से आज्ञार्थक वाक्य का चयन कीजिए-

(i) मैं यह काम नहीं कर सकता। (ii) मोहन को बुलाओ। (iii) शायद आज बारिश हो।

(ग) राधा ने रामायण पढ़ी। (कर्मवाच्य बनाइए)

(घ) मैं चल नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

6. (क) 'आदित्य' का पर्यायवाची शब्द बताइए- 1

(i) राकेश (ii) अर्क (iii) विधु

(ख) निम्नांकित में कौन सा शब्द 'वसुमती' का समानार्थी नहीं है- 1

(i) मेदिनी (ii) उर्वी (iii) यामिनी

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 3×2=6

(i) बादल, गरजो! -
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ!
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले!
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो-
बादल गरजो!

(क) कवि को बादल किसके समान लग रहा है?
(ख) बाल-कल्पना से कवि का क्या आशय है?
(ग) बादल के किस रूप को निराला ने प्रस्तुत किया है?

(ii) तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात - - -
छोड़कर तालाब मेरी झोपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण

(क) बच्चे की दंतुरित मुसकान कवि को कैसी प्रतीत होती है?
(ख) धूलि-धूसरित गात की तुलना किससे की गई है?
(ग) बच्चे के स्पर्श से कवि को क्या अनुभूति होती है?

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 3×2=6

(क) फागुन में ऐसा क्या होता है जो अन्य ऋतुओं में नहीं होता? 'अट नहीं रही है' कविता के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'नागार्जुन' की 'फसल' शीर्षक कविता का सार-संक्षेप अपने शब्दों में समझाइए।

(ग) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' पंक्ति का 'कन्यादान' कविता के आधार पर भाव स्पष्ट कीजिए।

9. (क) 'छाया मत छूना' कविता के माध्यम से कवि अपने पाठकों को क्या सन्देश देना चाहता है? 2

(ख) 'संगतकार' जैसे व्यक्ति जीवन के किन-किन क्षेत्रों में देखने को मिलते हैं? पठित पाठ के आधार पर बताइए। 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) बालगोबिन भगत की मौत उन्हीं के अनुरूप हुई। वह हर वर्ष गंगा-स्नान करने जाते। स्नान पर उतनी आस्था नहीं रखते, जितना संत-समागम और लोक-दर्शन पर। पैदल ही जाते। करीब तीस कोस पर गंगा थी। साधु को संबल लेने का क्या हक? और, गृहस्थ किसी से भिक्षा क्यों माँगे? अतः घर से खाकर चलते, तो फिर घर पर ही लौट कर खाते। रास्ते भर खँजड़ी बजाते, गाते जहाँ प्यास लगती, पानी पी लेते। चार-पाँच दिन आने-जाने में लगते; किंतु इस लंबे उपवास में भी वही मस्ती! अब बुढ़ापा आ गया था, किंतु टेक वही जवानी वाली।

(क) गंगा स्नान पर जाने का बालगोबिन का मुख्य अभिप्राय क्या होता था?

(ख) यात्रा पर बालगोबिन न तो संबल रखते थे और न भिक्षा लेते थे, ऐसा क्यों?

(ii) फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते जरूर मिलते-खोजकर, समय निकालकर, गर्मी, सर्दी, बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ़ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिंदी वालों द्वारा ही हिंदी की उपेक्षा पर दुःख करते उन्हें पाया है।

(क) 'फ़ादर बुल्के मन से सन्यासी नहीं थे।' लेखक को ऐसा क्यों लगता है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) फ़ादर बुल्के को किस बात की चिन्ता सताती थी और किस रूप में?

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) 'एक कहानी यह भी' के आधार पर लेखिका के बाल-जीवन के संस्मरण संक्षेप में लिखिए।

(ख) पठित पाठ के आधार पर महावीर प्रसाद द्विवेदी के स्त्री-शिक्षा विषयक विचारों पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर बताइए कि 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है?

12. (क) सेनानी न होते हुए भी चश्मेवाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे? 3

(ख) लेखक ने फ़ादर बुल्के को 'मानवीय करूणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित प्राचीन ग्राम्य संस्कृति का चित्रण कीजिए।

(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी वर्तमान सरकारी तंत्र पर एक व्यंग्य है। इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

(ग) गंतोक शहर को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है? पठित पाठ के आधार पर समझाइए। http://www.ukboardonline.com

(घ) हिरोशिमा पर लिखी कविता लेखक के अंतः व वाह्य दोनों दबाव का परिणाम है यह आप कैसे कह सकते हैं?

खण्ड-ब

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत - 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

हरिद्वारम् उत्तराखण्डस्य ऐतिहासिकं, सांस्कृतिकं, पौराणिकं, विश्वविख्यातं नगरम् अस्ति। भारतीया संस्कृतिः, राष्ट्रियैक्यभावः, देशस्य गरिमाबोधः च हरिद्वारस्य कणे-कणे व्याप्ताः सन्ति।

पतितपावनी पापविमोचनी मोक्षदायिनी भगवती भागीरथी गंगा पर्वतशिखराणां मध्ये विचरन्ती कलकलनिनादं त्यक्त्वा शान्तस्वरेण हरिद्वारतः एव समभूमिं प्रविशति। गंगाम् उभयतः मन्दिराणि, घट्टाः, आश्रमाः च सन्ति। तान् निकषा जनाः पूजां कुर्वन्ति। हरिद्वारम्, हरद्वारम्, स्वर्गद्वारम्, तपोवनम्, मायाक्षेत्रम्, मायापुरी, कपिलाश्रमः, कपिला च अस्यैव पुण्यक्षेत्रस्य हरिद्वारस्य अपराणि नामानि पुराणेषु वर्णितातिि सन्ति।

(क) हरिद्वारम् उत्तराखण्डस्य कीदृशं नगरम् अस्ति?

(ख) हरिद्वारस्य कणे-कणे के व्याप्ताः सन्ति?

(ग) कीदृशी गंगा समभूमिं प्रविशति?

(घ) हरिद्वारस्य कानि अपराणि नामानि पुराणेषु वर्णितानि सन्ति?

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

15. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

न वै ताडनाद् तापनाद् वह्निमध्ये
न वै विक्रयाद् क्लिश्यमानोऽहमस्मि।
सुवर्णस्य मे मुख्यदुःखं तदेकं
यतो मां जनाः गुञ्जया तोलयन्ति।।

(क) तापनाद् ताडनात् वा कः क्लिश्यमानः नास्ति?

(ख) सुवर्णस्य मुख्यदुःखं किम्?

(ग) जनाः सुवर्णं कया तोलयन्ति?

16. पठित-पाठाधारितान् **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6

(पठित पाठों पर आधारित किन्हीं **तीन** प्रश्नों का पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए।)

(क) 'सत्सङ्गतिः' इति शब्दस्य कः अर्थः?

(ख) नृपः कस्मै कम्बलानि दत्तवान्?

(ग) वने विवेकानन्दं के अनुगताः?

(घ) राजा रघुः कस्य पुत्रः आसीत्?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत- 1×4=4

(निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **चार** वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची - सत्ये, कुलव्रतम्, श्रेष्ठ, साधयति, अभितः, मगधदेशस्य

(क) पर्वतेषु हिमालयः.......।

(ख) चन्द्रगुप्तः.........नृपः आसीत्।

(ग) किं किं न ....कल्पलतेव विद्या।

(घ) विद्यालयं.........पुष्पाणि विकसन्ति।

(ङ) ....सर्वं प्रतिष्ठितम् ।

(च) सज्जनाः ......पालयन्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन** प्रश्नान् उत्तरत- 2×3=6

(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।)

(क) सन्धिं कुरूत (सन्धि कीजिए)-
मधु + अरिः, पो + इत्रः

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरूत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-
पित्राज्ञा, हरेऽव

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरूत। (समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए।)
धनहीनः, चक्रपाणिः

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(घ) अधोलिखिताभ्यां पदाभ्यां उपसर्गं पृथक कृत्वा लिखत। (निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए।)-

प्रत्यक्षम्, दुस्तरः

(ङ) कोष्ठकात् शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानं पूरयत् । (कोष्ठक में दिए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।) -

(i) बालकः......क्रीडति। (कन्दुकात् / कन्दुकेन)

(ii) सा....... विभेति । (सर्पात् / सर्पेण)

19. निम्नांकित शब्दसूचीतः **चतुर्णां** शब्दानां वाक्य प्रयोगं कुरूत- 1×4=4

(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्य प्रयोग कीजिए।)

(क) आकाशे (ख) हन्ति (ग) वाटिकायां

(घ) पतन्ति (ङ) हिमालयात् (च) पत्रम्

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरूत। (निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।) 2×2=4

(क) छात्र विद्यालय को जायेंगे।

(ख) लता ने गीत गाया।

(ग) गाय दूध देती है।

*****

http://www.ukboardonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भैजे और 10 रूपये पायें,
Paytm or Google Pay से

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com